an>

Title: Need to conduct an enquiry into alleged corruption in road construction work in Amrawati and Yavatmal in Wardha Parliamentary Constituency in Maharashtra under Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojana.

श्री रामदास सी. तडस (वर्धा) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से ग्रामीण विकास मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र वर्धा-अमरावती-यवतमाल प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत हुए पथ निर्माण के कार्य में पिछले पांच वर्षों में हुए अत्यधिक भ्रष्टाचार की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जिसके बारे में काफी शिकायत मिली है।...(व्यवधान) इस संदर्भ में विदर्भ को अवगत कराया है।...(व्यवधान) जब भी एस्टीमेट बनता है तो पांच साल तक जो ठेकेदार कार्य करता है, उसका ही काम करने का जिम्मा होता है।,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उन्होंने रिपेयरिंग की मांग की है तो करने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रामदास सी. तडस : किन्तु रोड की रिपेयरिंग के नाम पर दोबारा हमारे संसदीय क्षेत्र वर्धा में टैंडर निकालकर नए ठेकेदार को कार्य दिया है जिसमें करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है।...(व्यवधान) उन पर इन्कावारी होनी चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसी कोई बात नहीं आई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में मेरा क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। मैं वहां के गरीब तबके के वर्गों की आवाज, गुहार लेकर आपके समक्ष आया हूं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I will allow you to raise your issue.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I know it. Yesterday or so, I allowed you to speak on the issue related to Church.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप ऐसे क्यों कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं जानती हूं कि आप चर्च वाला ईशू उठाना चाहते हैं। मैंने कल भी एलाऊ किया था। मंत्री जी ने कुछ बात भी बोली थी। अगर दोबारा बोलना चाहेंगे तो मैं एलाऊ करूंगी, लेकिन बाकी विषय होने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कल यह विषय हो चुका था। ऐसे नहीं होता कि जब चाहें तब खड़े हो जाएं। बाकी लोगों का अधिकार मत मारिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप भी जानते हैं बाकी लोगों ने भी नोटिस दिया है, कल भी आपको एलाऊ किया था वही सेम विषय

â€¦(व्यवधान)

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, this issue was raised yesterday. The Minister for Parliamentary Affairs had assured that the Government would respond today. The Minister was here ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He is there.

जब वे बोलते हैं तब आप बाहर जाते हैं, इसके पहले भी

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI RAJIV PRATAP RUDY): I am telling you. ...(*Interruptions*) If you do not allow the Minister for Parliamentary Affairs to speak, I am going to speak what they have spoken. If this is the way they are going to talk, it would become impossible to run the House.

What I am saying is that we admit that yesterday the senior Minister for Parliamentary Affairs did say that when the Home Minister returns back, he would find out the details and come back to you. I have taken note of it. Hon. Home Minister has come back. Please have the patience to let the proceedings go on. That is what we are doing for you. ...(*Interruptions*) You relax. He has come back. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am sorry. आप भी नहीं

â€¦(व्यवधान)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: We are doing your job. ...(*Interruptions*) That is what we are doing. ...(*Interruptions*) He has come back.

HON. SPEAKER: Let Shri Mahesh Girri complete his statement.

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: The problem is that you do not want to listen. ...(*Interruptions*) You do not want to have an answer. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : महेश गिरी जी, आप अपनी बात कम्पलीट करें। Let them complete. ऐसा नहीं करते। प्लीज।

â€¦(व्यवधान)

श्री महेश गिरी : मैं पूर्वी दिल्ली क्षेत्र से आता हूं जहां पर गरीब ...(व्यवधान)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Madam, hon. Home Minister had gone to the other House. He has come back. He is going to reply. That has been taken note of. They just react without even ascertaining the facts. Please also give time to the Government to respond. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप आपस में बात नहीं करेंगे। मैं सबकी चिंता कर रही हूं। मंत्री जी आ गए हैं, मगर वे खड़े हैं उनकी बात तो पूरी होने दीजिए। साढ़े आठ बजे नोटिस देते हैं, ऐसा मत कीजिए, प्लीज।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात पूरा कीजिए।